

**खुराकी वि.** (देश.) अधिक खाने वाला स्त्री. (फा.)

1. खुराक के बदले दिया जाने वाला पैसा, भोजन व्यय।

**खुराघात** (खुर+आघात) पुं. (तत्.) खुर का प्रहार, टाप से मारना।

**खुराफात** स्त्री. (अर.) 1. बेहूदी बातें, बकवास, शरारत 2. गाली-गलौज, बखेड़ा, झगड़ा, उत्पात।

**खुराफाती वि.** (अर.) 1. बेहूदा और रद्दी बात करने वाला 2. गाली-गलौज करने वाला 3. झगड़ा, बखेड़ा या उत्पात करने वाला।

**खुरालक** पुं. (तत्.) लोहे का बान।

**खुरालिक** पुं. (तत्.) 1. नाई का सामान रखने की किसबत या थैली 2. तकिया।

**खुरासान** पुं. (फा.) फारस देश का एक बड़ा सूबा या भू-भाग।

**खुरिया** स्त्री. (फा.) 1. कटोरी, छोटी प्याली 2. घुटने के जोड़ पर की हड्डी।

**खुरी** स्त्री. (देश.) 1. टाप का चिह्न 2. सुम का निशान 3. बहते पानी की वह धार जिसके विपरीत नाव को चलाया जा सके (मल्लाहों की भाषा)।

**खुरू** पुं. (तद्.) 1. खुर से मिट्टी खोदने की क्रिया, जिसमें पशु रंभाते या डकराते भी हैं, चौपाए ऐसा क्रोध या प्रसन्नता के समय किया करते हैं 2. उत्पात, नटखटपन, बखेड़ा 3. सत्यानाश, ध्वंस।

**खुर्द वि.** (फा.) छोटा, लघु, अल्पवयस्क।

**खुर्दबीन** स्त्री. (फा.) 1. एक विशेष प्रकार के शीशें का बना हुआ वह यंत्र जिससे छोटी वस्तु बहुत बड़ी दीख पड़ती है 2. सूक्ष्मदर्शक यंत्र।

**खुर्द-बुर्द वि.** (फा.) 1. नष्ट-भ्रष्ट 2. समाप्त 3. गायब 4. खा-पी जाने की क्रिया होना।

**खुराट वि.** (देश.) 1. चालाक, काइयाँ 2. धूर्त 3. बूढ़ा, वृद्ध।

**खुलना अ.क्रि.** (देश.) 1. बंधी या बाँधी हुई वस्तु का बंधन हट जाना उदा. जब शांत मिलन संध्या को हम हेमजाल पहनाते काली चादर के स्तर का खुलना देख न पाते (आँसू) 2. ठहरे और रुके यानों का गंतव्य स्थान की ओर प्रस्थान करना

प्रयो. राजधानी एक्सप्रेस ठीक समय पर खुलेगी 3. शरीर के किसी अंग का कार्य के लिए उपयुक्त बनना 4. कष्ट या विपत्ति के दिन दूर होने पर सुख-सौभाग्य के दिन दिखाई देना जैसे- उसे नई नौकरी क्या मिली कि उसकी तकदीर ही खुल गई मुहा. खुलकर खेलना- लज्जा या संकोच त्याग देना; खुलकर बैठना- ऐसा स्थान जो घिरा न हो; खुल जाना- गांव से बाहर रहना, खो जाना; खुले आम- सबके सामने, प्रकट में; खुलकर-अच्छी तरह साफ- साफ, बेधड़क।

**खुलवाना स.क्रि.** (देश.) 'खोलना' क्रिया का प्रेरणार्थक रूप, खोलने का काम कराना।

**खुला वि.** (देश.) 1. जो बंधा या बंद न हो, बंधन रहित 2. आच्छादन रहित 3. जिसमें कोई रुकावट न हो 3. अवरोधहीन 4. जो छिपा न हो, स्पष्ट, प्रकट, जाहिर 5. जो तंग घिरा हुआ न हो, लंबा-चौड़ा मैदान मुहा. खुला खजाना- सबके सामने स्पष्ट रूप से; खुले दिल से- उदारतापूर्वक; खुली हवा- वह हवा जिसकी गति का अवरोध न होता हो।

**खुलापल्ला** पुं. (देश.) संगी. तबला बजाने का एक ढंग।

**खुलासा वि.** (अर.) 1. खुला हुआ 2. विस्तृत 3. स्पष्ट, साफ।

**खुल्लमखुल्ला क्रि.वि.** (देश.) प्रकाशित रूप से खुले आम, सर्वसाधारण को सूचित करते हुए।

**खुश वि.** (फा.) 1. प्रसन्न, मुदित, आनंदित, प्रफुल्लित 2. अच्छा खुशआमदीद- भले पधारे/स्वागत वाक्य, खुश आवाज- अच्छे स्वर वाला, सुरीला, खुशगवार- रुचिकर, सुखद, रोगहीन देह।

**खुशकिस्मत वि.** (फा.) भाग्यवान, अच्छी किस्मत वाला।

**खुशखत वि.** (फा.) 1. जिसकी लिखावट सुंदर हो 2. सुंदर अक्षर लिखने वाला 3. सुलेखक।

**खुशखबरी** स्त्री. (फा.) अच्छी खबर, खुश करने वाला समाचार।

**खुशनुमा वि.** (फा.) 1. सुंदर, मनोहर 2. जो देखने में भला लगता हो।